झारखण्ड सरकार

गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
(आपदा प्रबंधन प्रभाग)

ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान :– सावधानी एवं तैयारी

मौसम के अचानक बदलने से वर्तमान समय में समस्त झारखण्ड राज्य में ओला वृष्टि एवं चक्रवात की हालात उत्पन्न हो गई है। इससे जन मानस, सम्पति एवं फसलें आदि प्रभावित हो रहे हैं। वर्तमान में इसने एक आपदा का रूप ले लिया है। अतएव ऐसे आकस्मिक आपदा से निपटने हेतु पूर्व तैयारी करने की अति आवश्यकता है:–

ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान :– सावधानी एवं तैयारी

1) मौसम संबंधित जानकारियाँ जो विभिन्न माध्यम यथा रेडियो, टी०वी०, सामाचार पत्रों एवं अन्य से लगातार प्रसारित की जाती है, अवश्य ध्यान दें। सुरक्षित रहें।
2) कमजोर वर्ग यथा बच्चे, वृद्ध जन, विकलांग एवं घरेलू जानवरों को सुरक्षित जगह में रखें।
3) ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान के दौरान घर से बाहर न निकलें।
4) ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान के दौरान सुरक्षित जगह से न निकलें, पेड़ के नीचे न रहें, वज्रपात की सम्भावना रहती है।
5) अपने मकान को सुरक्षित रखें, विशेषकर एल्यूमिनियम सीट या पुआल से बनी छत।
6) सम्भवतः अपने मकान एवं अन्य बहुमूल्य घरेलू सम्पत्ति का बीमा अवश्य कराएँ।
7) अपने फसल की बीमा अवश्य करें एवं आर्थिक क्षति से बचें।
8) ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान के समय घर के सभी दरवाजे एवं खिड़कियाँ बन्द रखें तथा काँच की खिड़की या दरवाजे के समीप न रहें।
9) समुदाय स्तर पर आँधी–तूफान एवं ओलावृष्टि की पूर्व तैयारी की योजना बनाएँ।

10) अगर आप दो पहिया वाहन से यात्रा कर रहें हों, तो किसी सुरक्षित जगह में रूक जाँए। अगर आप अपनी कार या सार्वजनिक वाहन से यात्रा कर रहें हों तो खिड़की के शीशे बंद कर लें एवं वाहन से बाहर न निकलें।

11) किसानों को फसल बीमा, कृषि उपकरण बीमा इत्यादि के बारे शिक्षित करें, सूचना दें जिससे आकस्मिक आर्थिक क्षति से बच सके एवं ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाना।

12) ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान से होने वाली क्षति संबंधित सूचनाएँ स्थानीय प्रशासन को अवगत करांए।

➢ जब **आप घर के अन्दर** हों तो निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान दें :–

- ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान के समय बाहर न निकलें।
- खिड़की एवं दरवाजे के समीप न खड़े हों।
- घर की सभी इलेक्ट्रीक उपकरणों को बन्द रखें।
- अपने एवं घरेलू जानवरों को भी सुरक्षित घरों/जगहों में रखें।
- संभवतः ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान के समय सभी खिड़कियाँ एवं दरवाजों को बन्द रखें।

जब आप घर के बाहर हों :–

- यथाशीघ्र सुरक्षित जगह/घरों में जाँए एवं अपने को सुरक्षित रखने का प्रयास करें।
- बदलते मौसम की जानकारी अवश्य रखें एवं सुरक्षा सामग्री अवश्य रखें।
- ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान के वक्त पेड़ों के नीचे न जाएँ– पेड़ की टहनियाँ गिर सकती है या वज्रपात हो सकता है, इससे अपने को एवं अपनी सम्पतियों को सुरक्षित रखें।
- ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान संबंधित जानकारी रेडियो, टी०वी० के माध्यम से प्रसारित की जाती है, हमेशा गौर करें।
- ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान से होने वाली क्षति संबंधित सूचनाएँ स्थानीय प्रशासन को अवगत करांए।

गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा जनहित में प्रकाशित।

विशेष सचिव
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
(आपदा प्रबंधन प्रभाग)
झारखण्ड सरकार।

झारखण्ड सरकार

गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
(आपदा प्रबंधन प्रभाग)

ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान :– सावधानी एवं तैयारी

➢ झारखण्ड राज्य में मौसम बदलने से वर्तमान समय में ओलावृष्टि एवं आँधी–तूफान के हालात हैं। इससे जन मानस, सम्पति एवं फसलें आदि प्रभावित हो रहे हैं। वर्तमान में ओलावृष्टि ने एक आपदा का रूप ले लिया है। अतएव ऐसी आकस्मिक आपदा से निपटने हेतु सावधानी एवं पूर्व तैयारी करने की आवश्यकता है:–

सावधानी एवं पूर्व तैयारी :–

1) रेडियो, टी०वी०, सामाचार पत्रों के माध्यम से दी जाने वाली मौसम की जानकारी एवं मौसम संबंधित चेतावनी को अवश्य ध्यान दें एवं पालन करें।
2) ओलावृष्टि के दौरान घर से बाहर न निकलें।
3) ओलावृष्टि के समय घर के सभी दरवाजे एवं खिड़कियों को बन्द रखें तथा काँच की खिड़कियों या दरवाजों के समीप न रहें। काँच की खिड़की एवं दरवाजों को सुरक्षित रखने के लिए लकड़ी के चद्ढरों से ढँक दें।
4) घरेलू एवं पालतू जानवरों को सुरक्षित स्थानों में रखें।
5) ओलावृष्टि एक आँधी के दौरान पेड़ के नीचे न रहें, वज्रपात की संभावना रहती है, पेड़ की टहनियों के टूट कर गिरने से क्षति पहूँच सकती है।
6) अपने मकानों को सुरक्षित रखें। कच्चे घरों (खपरैल, पूआल आदि के छत) के क्षतिग्रस्त होने पर छतों की तुरन्त मरम्मत करा लें। क्षतिग्रस्त खपरैल छतों को एल्यूमीनियम सीट से ढँक कर अच्छे से क्लैम्प से कस दें।
7) मकान के निकट यदि पेड़ों की सूखी टहनियाँ हों तो उसे हटा दें, अन्यथा टहनियाँ टूट कर मकान को क्षति पहूँचा सकती है।
8) संभवतः अपने मकानों एवं बहुमूल्य घरेलू सम्पत्तियों का बीमा करा लें।
9) अपने फसलों का बीमा अवश्य करावें, जिससे आर्थिक क्षति से बचा जा सके।

10) यदि आप दो पहिया वाहन से यात्रा कर रहें हों, तो किसी सुरक्षित जगह में रूक जाएँ। अगर आप अपनी कार या सार्वजनिक वाहन से यात्रा कर रहें हों तो खिड़की के शीशे बंद कर लें एवं वाहन से बाहर न निकलें।
11) ओलावृष्टि से बचाव से संबंधित जिला स्तर, प्रखण्ड स्तर पर एवं पंचायत स्तर पर प्रशासन द्वारा दिये जाने वाले जानकारियों का नियमतः पालन करें।
12) समुदाय स्तर पर ओलावृष्टि के पूर्व तैयारी की योजना बनायें।
13) ओलावृष्टि एवं तूफान से होने वाली क्षति की सूचना स्थानीय प्रशासन को अवश्य दें।

गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा जनहित में प्रकाशित।

विशेष सचिव
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
(आपदा प्रबंधन प्रभाग)
झारखण्ड सरकार।